NEWS CLIPPING: 17.08.2020

PUNJAB KESARI

आत्म-संयम और आत्म-निर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पना : इंद्रेश कुमार

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी को देना होगा योगदानः प्रो. दिनेश कुमार

डिजिटल प्लेटफार्म पर व्याख्यान को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य इंद्रेश कुमार।

फरीदाबाद, 16 अगस्त (पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा स्वदेशी विज्ञान के विकास के लिए कार्य कर रही संस्था विज्ञान भारती (विभा) के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को 'आत्म-संयम और आत्म-निर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पना' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता रहे। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. रंजना अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता तथा कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी उपस्थित थे। डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने मुख्य वक्ता इंद्रेश कुमार का स्वागत किया तथा सत्र में उपस्थिति प्रतिभागियों के समक्ष उनका परिचय प्रस्तुत किया। सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी के एकजुट योगदान पर बल दिया। व्याख्यान सत्र को संबोधित करते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत ज्ञान, विज्ञान, संयम और आत्मनिर्भरता में विश्वगुरू था, जो एक स्वप्न हो गया। अब इस स्वप्न को फिर से साकार करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि विश्व में तीन प्रतिशत से कम क्षेत्रफल रखने वाला भारतवर्ष विश्व जनसंख्या में 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। सीमित संसाधनों के बावजूद कोरोना महामारी की विपदा से लड़ते हुए भारत सरकार और नागरिकों ने दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प का परिचय देते हुए किसी भी व्यक्ति को भूखमरी से मरने नहीं दिया, जिसकी आज संपूर्ण विश्व प्रशंसा हो रही है। कोरोना वायरस को चीन द्वारा निर्मित जैविक हथियार बताते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि चीन के जैविक हथियार ने आज संपूर्ण मानवता के लिए संकट पैदा कर दिया है। इसके बावजूद चीन को इसके लिए कोई अफसोस नहीं है। लेकिन भारत ने आयुर्वेद के साथ आत्मनिर्भरता के संकल्प को लेकर इस विपदा का मुकाबला किया और बड़ी संख्या में पीपीई किट, मास्क, वेंटिलेटर सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं का न केवल अपने लिए निर्माण किया है, बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की है। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण विश्व भारत द्वारा कोरोना की वैक्सीन निर्माण की अपेक्षा कर रहा है ताकि मानवता को उपभोक्तावाद से बचाया जा सके। उन्होंने कहा कि आत्मसंयम और आत्मनिर्भरता भारतीय संस्कृति का हिस्सा रही है क्योंकि भारत ने कभी विस्तार के लिए हिंसा का रास्ता नहीं अपनाया है। अखण्ड भारत के निर्माण लिए उन्होंने खोए जन और खोई जमीन को वापिस पाने की आवश्यकता पर बल दिया। इंद्रेश कुमार ने कहा कि यदि पाकिस्तान अब भी चीन की विस्तारवादी नीतियों को नहीं समझ पाया तो वह दिन दूर नहीं जब पाकिस्तान का भविष्य चीन की गुलामी होगी। उन्होंने कहा कि चीन के विस्तारवाद को रोकने है तो हमें उसे आर्थिक रूप से तोड़ना होगा। हमें स्वदेशी उत्पादों का उपयोग करना होगा। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का जो भूभाग चीन एवं पाकिस्तान के कब्जे में है।

पंजाब केसरी ई-पेपर

Mon,17 August 2020

Edition: faridabad kesari, Page no. 3

NEWS CLIPPING: 17.08.2020

THE PIONEER

आत्मनिर्भर भारत के लिए सभी को देना होगा योगदान

सशक्त भारत की परिकल्पना' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा स्वदेशी विज्ञान के विकास के लिए कार्य कर रही संस्था विज्ञान भारती (विभा) के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्म-संयम और आत्म-निर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पना' विषय पर एक

व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता रहे। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई।

इस अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. रंजना अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता तथा कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग भी उपस्थित थे। डॉ. कृष्णकांत गुप्ता ने मुख्य वक्ता इंद्रेश कुमार का स्वागत किया तथा सत्र में उपस्थिति प्रतिभागियों के समक्ष उनका परिचय प्रस्तुत किया। सत्र को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए सभी के एकजुट योगदान पर बल दिया।

व्याख्यान सत्र को संबोधित करते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत ज्ञान, विज्ञान, संयम और आत्मनिर्भरता में विश्वगुरू था, जो एक स्वप्न हो गया।

अब इस स्वप्न को फिर से साकार करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा कि विश्व में तीन प्रतिशत से कम क्षेत्रफल रखने वाला भारतवर्ष विश्व जनसंख्या में 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। सीमित संसाधनों के बावजूद कोरोना महामारी की विपदा से लड़ते हुए भारत सरकार और नागरिकों ने दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प का परिचय देते हुए किसी भी व्यक्ति को भूखमरी से मरने नहीं दिया, जिसकी आज संपूर्ण विश्व प्रशंसा हो रही है।

NEWS CLIPPING: 17.08.2020

HINDUSTAN

आत्मनिर्भर होना जरूरी : इंद्रेश

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार ने रविवार को कहा कि सभी को आत्मनिर्भर होना बेहद जरूरी है। वे जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) और विज्ञान भारती (विभा) की ओर से आयोजित आत्मसंयम और आत्मनिर्भरता पर एक व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे।

जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता के रुप में मौजूद थे। इसकी अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस मौके पर

व्याख्यान

- वाईएमसीए में आत्मसंयम और आत्मनिर्भरता का महत्व बताया
- स्वदेशी वस्तुओं एवं उत्पाद से अन्य देशों की भी मदद की

इंद्रेश कुमार ने कहा कि विश्व में तीन प्रतिशत से कम क्षेत्रफल रखने वाला भारतवर्ष विश्व जनसंख्या में 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। उन्होंने कहा कि चीन के जैविक हथियार ने आज संपूर्ण मानवता के लिए संकट पैदा कर दिया है। इसके बावजूद चीन को इसके लिए कोई अफसोस नहीं है।

भारत ने आयुर्वेद के साथ आत्मनिर्भरता के संकल्प को लेकर इस विपदा का मुकाबला किया और बड़ी संख्या में पीपीई किट, मास्क, वेंटिलेटर सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं को न केवल अपने लिए निर्माण किया है, बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की है। इस मौके पर कई अन्य प्रोफेसर भी मौजूद रहे। इस दौरान जीवन में आत्मनिर्भर बनने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही हर चुनौती का डटकर सामना करने को कहा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस मौके पर विज्ञान भारती हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. रंजना अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता और कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग भी मौजूद रहे।

NEWS CLIPPING: 17.08.2020

AMAR UJALA

आत्मनिर्भर भारत मुहिम आत्मसंयम से संभव : इंद्रेश

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय द्वारा स्वदेशी विज्ञान विकास की ओर कार्यरत संस्था विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्म-संयम और आत्म-निर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पना' विषय पर व्याख्यान आयोजन किया गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। विज्ञान भारती हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. रंजना अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता व कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग मौजूद रहे। सत्र संबोधन में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आत्मनिर्भर भारत के संकल्प के लिए एकजुट योगदान को महत्वपूर्ण माना। इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत विश्वगुरू बनने की ओर फिर अग्रसर है। ज्ञान, विज्ञान, संयम और आत्मनिर्भरता में पहले भी विश्वगुरू रहा है। उस मुकाम को साकार करने का समय आ गया है। ब्यूरो

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 17.08.2020

DAINIK BHASKAR

आत्मसंयम व आत्मनिर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पनाः इंद्रेश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

DB-17/8/2020

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'आत्मसंयम और आत्मनिर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पना' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इसमें आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता थे। कार्यकम्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने की। इस दौरान इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत ज्ञान, विज्ञान, संयम और आत्मनिर्भरता में विश्वगुरु था, जो एक स्वप्न हो गया। अब इस स्वप्न को फिर से साकार करने का समय आ गया है। उन्होंने कहा विश्व में 3 प्रतिशत से कम क्षेत्रफल रखने वाला भारत वर्ष विश्व जनसंख्या में 18 प्रतिशत की हिस्सेदारी रखता है। सीमित संसाधनों के बावजूद कोरोना महामारी की विपदा से लड़ते हुए भारत सरकार और नागरिकों ने दृढ़ इच्छाशक्ति और संकल्प का परिचय देते हुए किसी भी व्यक्ति को भुखमरी से मरने नहीं दिया। जिसकी आज संपूर्ण विश्व में प्रशंसा हो रही है। कोरोना वायरस को चीन द्वारा निर्मित जैविक हथियार बताते हुए इंद्रेश कुमार ने कहा कि चीन के जैविक हथियार ने आज संपूर्ण मानवता के लिए संकट पैदा कर दिया है। इसके बावजूद चीन को इसके लिए कोई अफसोस नहीं है। लेकिन भारत ने आयुर्वेद के साथ आत्मनिर्भरता के संकल्प को लेकर इस विपदा का मुकाबला किया और बड़ी संख्या में पीपीई किट, मास्क, वेंटिलेटर सहित अन्य चिकित्सा सुविधाओं का न केवल अपने लिए निर्माण किया है, बल्कि दूसरे देशों की भी मदद की है।

NEWS CLIPPING: 17.08.2020

DAINIK JAGRAN

छत पर फहराया तिरंगा

जासं, फरीदाबाद : जेसी बोस यूनिवर्सिटी वाइएमसीए छात्र संघ अध्यक्ष अनूप वशिष्ठ ने गांव बडौली मे अपने घर की छत पर तिरंगा फहराकर 74 वां स्वतंत्रता दिवस को अपने परिवार के साथ मनाया। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता शिवदत्त वशिष्ठ, हर्ष कुमार एडवोकेट, कपिल, सीमा, साहिल वशिष्ठ सन्नी मन्नी मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 17.08.2020

NAVBHARAT TIMES

'सपने को साकार करने का समय'

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय वाईएमसीए और विज्ञान भारती के संयुक्त तत्वावधान में 'आत्म-संयम और आत्म-निर्भरता से ही संभव है सशक्त भारत की परिकल्पना' विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं वरिष्ठ प्रचारक इंद्रेश कुमार मुख्य वक्ता रहे। व्याख्यान सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रो. दिनेश कुमार द्वारा की गई। इस अवसर पर विज्ञान भारती हरियाणा की अध्यक्ष डॉ. रंजना अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. कृष्णकांत गुप्ता तथा कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग भी उपस्थित थे। इंद्रेश कुमार ने कहा कि भारत ज्ञान, विज्ञान, संयम और आत्मनिर्भरता में विश्वगुरु था, जो एक स्वप्न हो गया। अब इस स्वप्न को फिर से साकार करने का समय आ गया है।